जनजाति कल्याण अधिकारी
अं० आ० जन० वि० स०
पोर्ट ब्लेयर !

(266)

महोदय,

मैं कोलेनपुर 14/11/016 12:30 pm मे जारावा लेकर डीगी से (बड़ी नाली) का मुँह मे रोक वहाँ से पैदल निकले मेरे साथ डीगी ड्राइवर और 1 पोलीस भी था हम लोग जारावा को लेकर 1:10 pm to 4:00 pm खाड़ी मे खोजे हमारे साथ (अन्जाले) जारवा था उसने बताया की मेरा ससुर जिस पेड़ का जिंगा किया है वह सारा पेड़ देख लिये नाली भी पार किये हम लोग और उसे नाली के पार जितने उस नाम के पेड थे सब को जारावा देखा फिर जारावा बोला मेरा ससुर ही बता सकता है। कि कहाँ रखा है।

क्योंकि जिस पेड़ का जिंगा किया उसे तो मै देख लिया! अन्जाले जारावा को वहाँ से (होड़बो नाल चाडु) जाना था और भी शाम हो रहा था उसने बोला हमे छोडो! फिर हम लोग वहाँ से (होड़बो नाल) के लिए रवाना हुये!

धन्यवाद!

BALRAM YADAV

D.t